

ASHA ARCHIVES

1.316

11511

ASMA ARCHIVES

1.316



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ

१ नमान्नयूयै ॥ मन्दात्रकल्याहविचन्दनयात्रिकाक. म १
 धुनगाकमलिमपुषवदिसंभक्त। अर्द्धदूभोलिकव
 लार्द्धमर्द्धनश. हिदांयददिशधितायमर्द्ध ॥ १ ॥
 कयूरदाटककटकाकितकर्णयूर. कांठीकलायम
 लिकानिलसदूकूल। दृष्टान्नयात्रवन्नकांचनदः

द्विरुक्तं किं द्वाप ॥ २ ॥ दत्तकदम्बयविभक्तिगया
नर्वरागं गीतादयामूकलितां जलयाधूवस्तान् ॥
रुद्विन्दुदीयचरलोभनर्लपययः किं द्वा ॥ ३ ॥

निकाखदन्त्याः रिक्तां ॥५॥ वृषाव

धवसृषिनावककोनिकापि आसासुवीषकलामरु
कम्ययास्त्रां। रुक्मासुवक्तिनिगमागमतत्वमंरु। रि
कां ॥३॥ सडककल्यलनिकुरुवनेकवेंश। रुतगद
कमलमध्वकवाग्रहं। ग। कनू। अपूर्वूनयन किम
यदसंमं। रिदां ॥१॥ संध्यायसकलरुसुवसंय
मानस्वाहासुधसिपिगुगलमरिहं। जायासगाय

त्रिजनातिथया। नका मा। रिदां ॥६॥ अंवत्वदी
यवत्रलवूडसंवयेववुक्मादया। अखिलगायदना
रुवकि। नमाददं। अगनवयदावविभं। रिदां ॥
७॥ उंकावमूलनिलयस्यंमरुश्वरस्य। आरुश्ववि
अगनरुकाजनायनीर्धं। कारु। अपूर्वूनयन निविना
ऊकशं। रिदां ॥१०॥ रुक्माप०किदगकं। अयगा०४५

राग। रिक्तार्थना वक्रधने ध्रुव वंश ध्रुव ॥ श्री ग्या म
 क्तव निग। रिम रनेल कन्य। रिक्ता ॥ १० ॥ ॥ ०० तिः
 ग्री अन्त ध्रुव सुव वा ५ ॥ समा फ ॥ ॥ ॥ गुरु म सु ॥
 १ न म ॥ श्री नृ स नाथाय ॥ स्वर्ग मय य म नी य ढी य ति
 न डि दी या य ति श्री सु ली ॥ त द म य ति म द ली य ति

ॐ घन स्माना व पूषी य ति ॥ र गोत्री य न टी य ति नृ त न
 नी य कां स्य गाली य त ॥ ग स्माना व कु र ना द्य स ग ति वि
 यै रू यो रू व ल य स ॥ ॥

अश्विन शुक्ल

1. 316

ASHA ARCHIVES





⑫

